बृहस्पतिवार 33 साल से देहरादून का विश्वास

17 जुलाई 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 161
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

करन माहरा गिरफ्तार

राजभवन पर चुनाव आयोग के खिलाफ दे रहे थे धरना

विशेष संवाददाता

देहरादून। राज्य में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर इतनी अधिक अनियमितताओं और अनिश्चितताओ का सामना करना पड़ रहा है कि उनका कोई अंत होता नहीं दिख रहा है। लोग हाईकोर्ट की चौखट पर तमाम मामलों को लेकर खड़े हैं वहीं चुनाव आयोग समस्याओं का समाधान नहीं कर पा रहा है। रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा जिन प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों को जांच में रद्द कर दिया गया उनमें से आधा दर्जन के आसपास प्रत्याशियों

चुनाव आयुक्त सुशील कुमार की बर्खास्तगी की मांग

को हाई कोर्ट द्वारा योग्य ठहराया जा चुका है ऐसे में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर अब गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचन आयोग की कार्य प्रणाली से क्षुब्ध होकर तथा राजभवन से समय न मिलने से नाराज होकर राज भवन पर आज धरने पर बैठ गए जहां से पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। वह निर्वाचन आयुक्त को बर्खास्त करने की मांग कर रहे थे जिन्हें पुलिस ने बाद में पुलिस लाइन ले जाकर छोड़ दिया गया।

हाई कोर्ट पहुंचे कई प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों को आर ओ द्वारा गलत तरीके से रद्द किया

जाना पाया गया है। चुनाव आयोग अब तक ऐसे कुछ आर ओ के खिलाफ कार्यवाही भी कर चुका है चुनाव आयोग अपनी कार्यशैली और गलत निर्णयों के कारण सुर्खियों में बना रहा है। बात चाहे दो-दो सूचियों में मतदाता होने को लेकर हो या फिर नामांकन पत्रों की जांच को लेकर जिम्मेवारी तो वह चुनाव आयोग की है। अभी तक हाई कोर्ट के आदेश पर चुनाव के योग्य ठहराए गए कई प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह वितरित नहीं किये जा रहे हैं जिनके नामांकन पत्रों को कोर्ट से सही ठहराया जा चुका है।

इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का साफ कहना है कि इसके लिए आर ओ नहीं चुनाव आयोग जिम्मेवार है। उनका कहना है कि चुनाव आयोग के खिलाफ शिकायत लेकर वह चार दिनों से राजभवन से समय मांग रहे थे जो नहीं दिया गया। जिसके कारण उन्हें धरने पर विवश होना पड़ा। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार को तुरंत बर्खास्त किया जाना चाहिए उनका साफ कहना है कि ऐसी स्थिति में चुनाव निष्पक्ष हो पाना संभव ही नहीं है। धरने के दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा को पुलिस ने गिरफ्तार किया तो कांग्रेसियों की पुलिस से नोंक झोंक हो गयी। जिन्हें पुलिस ने पुलिस लाइन ले जाकर बाद में छोड़ दिया गया।

- ई रिक्शा चालक हत्याकांड का खुलासा -

हत्यारोपी पत्नी व प्रेमी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ई-रिक्शा चालक की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने मृतक की पत्नी व उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल ने बताया कि बीती 14 जुलाई को थाना पथरी क्षेत्र में आम के बाग में एक शव मिला था। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पड़ताल की तो मृतक की पहचान ई-रिक्शा चालक प्रदीप पुत्र ओमप्रकाश निवासी अंबुवाला थाना पथरी उम्र 48 वर्ष के रुप में हुई। जिसके गले पर निशान थे। मामले में थाना पथरी में मृतक प्रदीप कुमार के भतीजे मांगेराम की तहरीर पुलिस ने मृतक की गला घोटकर हत्या किए जाने के सम्बन्ध में मुकदमा दर्ज कर पड़ताल शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान मोबाइल की सीडीआर और खुफिया तंत्र से पुलिस को जानकारी मिली कि मृतक की पत्नी जिसने पहले पति की बीमारी के कारण मौत होने पर 10 साल पहले मृतक ई-रिक्शा चालक से विवाह किया था साथ ही उसका गांव के ही सलेक नामक आदमी से प्रेम प्रसंग चल रहा है। जांच में यह भी सामने आया कि घटना के दिन से ही सलेक का मोबाइल नंबर स्विच ऑफ है और वह गांव से फरार चल रहा है। इस

महत्वपूर्ण इनपुट के आधार पर पुलिस ने मृतक की पत्नी रीना उम्र 36 वर्ष से गहनता से पूछताछ की तो उसने अवैध प्रेम प्रसंग एवं षड्यंत्र रचकर सलेक के हाथों प्रदीप की हत्या कराना स्वीकार किया।

सच्चाई सामने आने पर पुलिस ने हत्यारोपी प्रेमी सलेक को बीती रात लक्सर स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया।

जांच में यह भी सामने आया कि दोनों आरोपियों ने मृतक के तीजे वाले दिन भागने की योजना बनाई थी लेकिन पुलिस की तत्काल कार्रवाई और सतर्कता के चलते दोनों अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सके। पुलिस ने आरोपी सलेख की निशादेही पर गला घोंटकर हत्या करने में प्रयुक्त साफा (गमछा) बरामद किया है। आरोपी पत्नी रीना की पहले शादी से 3 लड़कियां है, तथा प्रदीप से 2 बच्चे हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

आस्था या उन्माद

संत कबीर का जन्म अगर आज के भारत में हुआ होता और वह 'पाथर पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूँ पहाड़, ताते तो चाखी भली जो पीस खाएं संसार' जैसी कोई बात लिखी या कही होती तो सत्ता और उसके समर्थकों ने उन्हें कोर्ट भी घसीट लिया होता और वह जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा दिए गए होते। यह बात सत्ता की उस असहिष्णुता के कारण लिखनी पड़ रही है जो लोगों से अभिव्यक्ति की आजादी के उसे अधिकार को भी छीन लेने पर आमादा है जो हमारा संविधान देशवासियों को देता है। उत्तर प्रदेश के जनपद बरेली के शिक्षक डा. रजनीश गंगवार इसका एक उदाहरण है। जिन्होंने अपने स्कूल के छात्रों को अपने एक गीत या कविता के माध्यम से यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह कांवड़ लेने न जाए क्योंकि कांवड़ लाकर वह इंजीनियर या डॉक्टर नहीं बन सकते हैं पढ़ लिखकर ही उनका भविष्य बेहतर हो सकता है। बच्चों को कावड़ लेने व जाने देने और अपनी शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने की शिक्षा देने वाले शिक्षक डॉ रजनीश का यह उपदेश सत्ता के कुछ अंध भक्तों की भावनाओं को इतना आहत कर गया कि उन्होंने एक शिक्षक के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का मामला पुलिस में दर्ज करा दिया गया है जो सही मायने में अपने गुरुत्व के दायित्व का निर्वहन कर रहे थे। शिक्षक का उद्देश्य सिर्फ यह था कि वह अपनी पढ़ाई का नुकसान न करें किसी को भी शिक्षक द्वारा जबरन कांवड़ लाने से रोके जाने का काम तो किया नहीं जा रहा था। लेकिन धर्म और आस्था की लहर पर सवार लोगों को भला कोई क्या समझा सकता है। क्योंकि उन्होंने जितना भी ज्ञान अर्जित किया है वह सत्ता की व्हाट्सएप मीडिया से किया है। जिस पर सत्ता का एकाधिकार है। वह भी ऐसा एकाधिकार जो न्यायालय की भी नहीं सुनता है। बीते साल कावड़ यात्रा मार्गो पर होटल, ढाबो, रेहड़ी पटरी पर खुले सभी प्रतिष्ठानों को अपनी पहचान उजागर कराने वाले बोर्ड लगाने के आदेश सत्ता ने दिये थे। जब यह मामला देश की सर्वोच्च अदालत में पहुंचा तो इसे गैर जरूरी और संविधान की मूल भावना के खिलाफ बताते हुए इस पर रोक लगाने के आदेश दिए गए थे। लेकिन इस बार फिर सत्ता ने इन आदेशों को नजर अंदाज करते हुए वैसा ही किया गया। जो इस बात का सबूत है कि सत्ता में बैठे लोग वही करते हैं जो उन्हें करना होता है वह न्यायपालिका की बात भी नहीं सुनते हैं। एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए अब सुप्रीम कोर्ट ने फिर यूपी तथा उत्तराखंड की सरकारों को कड़ी फटकार लगाते हुए इस पर जवाब तलब किया गया है। रही बात कांवड़ियों द्वारा मचाये जा रहे हुड़दंग और उत्पात की तो उसकी तस्वीर पूरा देश हर रोज देख रहा है कांवड़ जैसी धार्मिक और आस्था से परिपूर्ण इस यात्रा में क्या कुछ नहीं हो रहा है महिलाओं से मारपीट, तोड़फोड़ और लूट तथा कम उम्र के वह बच्चे जो यात्रा में भोले बनकर शामिल हो रहे हैं हाथों में लठ्ठ लेकर वाहनों में तोड़फोड़ और मारपीट कर रहे हैं। इन हिंदुओं के बच्चों को हम सनातनी के नाम पर क्या सिखा रहे हैं तथा भावी पीढ़ी को किस तरह नफरत और हिंसा की आग में झोंक रहे हैं? समझ से परे है। ऐसा लगता है जैसे जानबूझकर एक ऐसा कुचक्र रचा जा रहा है जिसका भविष्य घोर अंधकार की तरफ जा रहा है। यह कैसी आस्था है? कैसा सनातन है तथा कैसी सत्ता है और कैसी व्यवस्था है सब कुछ गंभीर सवालों के बीच खड़ा दिखाई देता है।

पौधारोपण कर हरित प्रदेश बनाने का संकल्प लिया

संवाददाता

देहरादून। हरेला पर्व के तहत उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के इस वर्ष की थीम 'हरेला का त्योहार मनाओ, धरती मां का ऋण चुकाओ' के तहत पौधा रोपित करने व पूरे प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधारोपण कार्यक्रम में सीमांत मुख्यालय, एस.एस.बी. रानीखेत (उत्तराखंड), एस.एस.बी. कैम्प डोइवाला देहरादून स्थित 14वीं वाहिनी के अधिकारियों एवं जवानों के साथ प्रदेश को हरित प्रदेश बनाने का संकल्प लिया। पर्यावरणविद डॉ. अनिल प्रकाश जोशी के संरक्षण में कार्यरत सोसायटी फार इनवायरनमेंट एण्ड रूरल डेवलपमेंट के तत्वावधान में सोसायटी द्वारा 14वीं वाहिनी को पौधे उपलब्ध कराए गए। जिसमें पौधारोपण अभियान-2025 के तहत द्वितीय कमान अधिकारी आलोक कुमार के नेतृत्व में उप कमांडेंट टी.एस.खोंगसाई, निरीक्षक सुशील कुमार तिवारी, सहायक उप निरीक्षक सतीश बहुगुणा व 14वीं वाहिनी के जवानों तथा सोसायटी फार इनवायरनमेंट एण्ड रूरल डेवलपमेंट के पदाधिकारियों द्वारा पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर सोसायटी के अजय कृष्ण कृष्ण भटारा(विधि सलाहकार), जंग बहादुर सिंह पथनी, कुंवर सिंह चौहान, चेतन सिंह, दीपांशु बिष्ट आदि ने प्रतिभाग किया। द्वितीय कमान अधिकारी आलोक कुमार ने जवानों को प्रोत्साहित करते हुए यह संदेश दिया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करना है और यह हमारे जीवन में सकारात्मक प्रभाव डालता है।

बीईजी आर्मी तैराक दल के जवान बचा रहे हैं श्रद्धालुओं का जीवन

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक परमेन्द्र डोबाल के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर पंकज गैरोला, अपर जिलाधिकारी फिंचाराम के मुख्य संयोजन एवं बीईजी आर्मी तैराक दल के नोडल अधिकारी इंडियन रेडक्रास सचिव डॉ. नरेश चौधरी के संयोजन में बीईजी आर्मी के तैराक अपनी मोटर बोटों एवं सभी संशाधनों के साथ कांवडियों की सुरक्षा के लिये गंगा के विभिन्न घाटों पर तैनात होकर अपनी पूर्ण कर्मठता से कांवडियों को डूबने से बचाने के लिये अपनी सम्पूर्ण शक्ति झोंक रहे है। जिसकी कांवडियों/श्रद्धालुओं/यात्रियों द्वारा मुक्त कंठ से सराहना की जा रही है।

विदित है कि कांवड मेला इस समय अपने पूर्ण सैलाब पर है जिसमें लाखों कांवडिये रोजाना हरिद्वार से जल लेकर अपने-अपने गंतव्य स्थानों पर प्रस्थान कर रहे हैं। कांविडयों द्वारा गंगा स्नान के साथ-साथ गंगा में गहराई में जाकर तैरने की कोशिश की जाती है जिसके कारण कांवड़ियों की गंगा में डूबने की घटना होती है। इसी को मध्यनजर रखते हुए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की विशेष पहल पर बीईजी आर्मी के कमाण्डेंट ब्रिगेडियर के.पी. सिंह, कर्नल अभिषेक पोखरियाल, ले. कर्नल विवेक सिंह, मेजर एलपी काम्बोज के नेतृत्व में सूबेदार लखबीर सिंह, नायब सूबेदार कुलविन्दर सिंह, हवलदार तन्मय, हवलदार अनिल कुमार, लांसनायक अमित कुमार यादव, सोमनाथ, प्रमोद चन्द्र अनिल कुमार, राजेश कुमार, हवलदार त्रिलोक सिंह, नायक जगमीत सिंह, सैपर सुरेन्द्र सिंह, सैपर गुडडू सिंह, सैपर श्रीजीत एसपी, सैपर प्रीतम द्वारा कांवड मेला क्षेत्र हरकी पैड़ी के आसपास के सभी घाट, गऊघाट, सुभाषघाट, सीसीआर घाट, कुशाघाट, हाथीपुल, रोडी बेलवाला घाट, रामघाट, विष्णुघाट, हनुमान घाट, बिरला घाट, अलकनन्दा घाट तथा रुड़की गंग नहर के गणेश पुल, सोलानी पुल, पिरान कलियर, धनौरी तक के सभी क्षेत्रों में लगातार निगरानी की जा रही है। जहां से भी देखने में आता है अथवा सूचना प्राप्त होती है कि कोई कांवडिया/श्रद्धालु गंगा में डूब रहा है तो तुरन्त आर्मी तैराक दल के सैनिक अपनी मोटर बोट से मौके पर पहुंचकर कांवडियों की जान बचा रहे हैं। बीईजी आर्मी तैराक दलों ने अब तक 22 शिवभक्त कांवड़ियों की जान बचाकर रेडक्रास स्वयंसेवकों द्वारा प्राथमिक उपचार उपरान्त सुरक्षित कर गंतव्य स्थानों को प्रस्थान कर दिया है जिसके लिए सभी कांवड़ियों एवं उनके परिवारों द्वारा बीईजी आर्मी, इंडियन रेड्क्रास एवं जिला प्रशासन की सराहना की जा रही है।

माला पहनाकर एसएसपी टिहरी ने शिव भक्त कांवड़ियों का किया स्वागत

संवाददाता

टिहरी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आयुष अग्रवाल ने माला पहनाकर शिव भक्तों कांवडियों का स्वागत कर प्रसाद वितरण किया गया।

आज यहां आयुष अग्रवाल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद टिहरी गढ़वाल द्वारा श्रावण मास कांवड़ मेला आरंभ होने पर शिवभक्त कावड़ियों के जनपद पधारने पर स्वयं अगुवाई करते हुए शिव भक्तों का माला पहनकर अभिनंदन किया गया। एसएसपी के द्वारा स्वयं उनको प्रसाद भी वितरण किया गया और सूक्ष्म जलपान कराया गया। एसएसपी के द्वारा समस्त पुलिस अधिकारियों/कार्मिकों को आदेशित किया गया है कि पावन कांवड़ मेला में कांवड़ियों की सुख सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जाए एवं आस्था, भक्ति के इस मेले में किसी भी प्रकार का व्यवधान न आने पाए। एसएसपी के द्वारा मुनि की रेती क्षेत्र में ड्यूटीरत पुलिस बल से भी वार्ता कर कुशलता ली गई, और आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही एसएसपी ने कड़े शब्दों में कहा कि उत्पात मचाने वाले, अराजकता फैलाने वाले शरारती तत्वों के विरुद्ध पुलिस के द्वारा सख्ती से निपटा जाएगा।

उपभोक्ताओं की समस्याओं का हो निराकरणः कांग्रेस

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल ने सचिव खाद्य विभाग को ज्ञापन सौंप उपभोक्ताओं की विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग की।

आज यहां सरकारी सस्ता गल्ला उपभोक्ताओं की विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने सचिव खाद्य विभाग से मिलकर ज्ञापन सौंपा और आम आदमी व उपभोक्ताओं को आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति करने का अनुरोध किया। वहीं पूर्व की भांति सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों से मिट्टी के तेल की आपूर्ति किये जाने की मांग की गई है जिससे आम आदमी एवं उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। यहां महानगर कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष लालचन्द शर्मा एवं पूर्व विधायक राजकुमार के संयुक्त नेतृत्व में कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने खाद्य सचिव से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपते हुए समस्याओं के समाधान की मांग की। इस अवसर पर ज्ञापन में कहा गया दून में आम आदमी एवं उपभोक्ताओं को कई प्रकार की कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

ज्ञापन में कहा गया कि एपीएल कार्ड धारकों को गेहूं का कोटा देते हुए चावल को भी रियायती दर पर उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराए जाए। उन्होंने कहा गया कि काफी लम्बे समय से सरकारी सस्ते गल्ले की बन्द पड़ी दुकानों के स्थान पर नई दुकानों का आवंटन नहीं हो पा रहा है और जिससे कई-कई क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को इधर-उघर भटकना पड़ रहा है। ज्ञापन में नई दुकानों को आवंटित किये जाने की मांग की गई है।

इस अवसर पर खाद्य सचिव से आम उपभोक्ताओं की उक्त समस्याओं के शीघ्र निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की गई है और यह भी कहा गया कि जल्द ही सकारात्मक कार्यवाही न होने पर आंदोलन किया जायेगा। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में महानगर कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष लालचंद शर्मा, पूर्व विधायक राजकुमार, प्रदेश प्रवक्ता दीप वोहरा, पार्षद एतात खान, पार्षद जाहिद अंसारी सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

ब्लैकहेड्स हटाने के लिए करें टी ट्री ऑयल का इस्तेमाल

ब्लैकहेड्स एक त्वचा संबंधित समस्या है, जिसे कील भी कहा जाता है। अगर आपको यह समस्या है तो आप इससे छुटकारा पाने के लिए टी ट्री ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

एक शोध के अनुसार, टी ट्री ऑयल त्वचा की गहराई में जाकर इन ब्लैकहेड्स को बाहर निकाल सकता है। आइए जानते हैं कि किन तरीकों से टी ट्री ऑयल का इस्तेमाल करके ब्लैकहेड्स दूर हो सकते हैं।

मुल्तानी मिट्टी और टी ट्री ऑयल का मास्क बनाकर लगाएं : ब्लैकहेड्स दूर करने के लिए सबसे पहले 5-10 मिनट के लिए अपने चेहरे को भाप दें। इसके बाद एक कटोरी में दो-तीन बूंद टी ट्री ऑयल, एक बड़ी चम्मच मुल्तानी मिट्टी और एक बड़ी चम्मच पानी मिलाकर इसे अपने चेहरे पर लगाएं। लगभग 10-15 मिनट के लिए इस मास्क को लगा रहने के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। हफ्ते में दो बार इस मास्क का इस्तेमाल करें।

टी ट्री ऑयल वाले पानी से नहाएं : टी ट्री ऑयल वाले पानी से नहाकर भी आप ब्लैकहेड्स से राहत पा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक बाल्टी गुनगुने पानी में एक छोटी चम्मच टी ट्री ऑयल और दो कप एप्सम सॉल्ट मिलाएं। इसके बाद इस पानी से नहाएं, फिर अपने शरीर को तौलिए से थपथपाकर सुखा लें। बेहतर परिणाम के लिए हफ्ते में एक या दो बार इस प्रक्रिया को अपनाएं।

टी ट्री ऑयल के स्क्रब का करें इस्तेमाल : सबसे पहले अपने चेहरे को लगभग 5-10 मिनट के लिए भाप दें। इसके बाद एक कटोरी में एक बड़ी चम्मच बारीक चिनी, एक बड़ी चम्मच जैतून का तेल और एक-दो बूंद टी ट्री ऑयल मिलाकर इस मिश्रण को अपने चेहरे की उन जगहों पर सर्कुलर मोशन में लगाएं, जहां ब्लैकहेड्स हैं। इसके बाद अपने चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। हफ्ते में दो बार इस स्क्रब का इस्तेमाल करें।

टी ट्री ऑयल का मॉइश्चराइजर बनाएं : ब्लैकहेड्स से राहत दिलाने में टी ट्री ऑयल युक्त मॉइश्चराइजर भी मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। इसके बाद अपने मॉइश्चराइजर में टी ट्री ऑयल की एक बूंद मिलाकर इसे अपने चेहरे के उन हिस्सों पर लगाएं, जहां ब्लैकहेड्स हैं। आप इस प्रक्रिया को रोजाना दोहरा सकते हैं।

जोजोबा ऑयल और टी ट्री ऑयल का मिश्रण लगाएं : यह मिश्रण भी चेहरे से ब्लैकहेड्स दूर कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले अपने चेहरे को कुछ मिनटों के लिए भाप दें। इसके बाद एक कटोरी में एक छोटी चम्मच जोजोबा ऑयल और एक बूंद टी ट्री ऑयल मिलाकर अपने चेहरे पर सर्कुलेशन मोशन में लगाएं। लगभग 5 मिनट तक मसाज करें, फिर अपने चेहरे को ठंडे पानी और क्लींजर से धो लें।

आप भी अपना सकते हैं सेहतमंद और सेफ डाइट

भोजन सेहतमंद तो होना ही चाहिए, सुरक्षित भी होना चाहिए, ताकि वह सेहत बनाने की बजाय उसे नुकसान न पहुंचाने लगे।

अपनी सेहत को लेकर हर कोई फिक्रमंद होता है, इसलिए लोग कई तरह की डाइट को फॉलो करना शुरू कर देते हैं, जो सेहत पर ज्यादा बुरा असर डालती है। इसके लिए डाइट से जुड़ी सामान्य गलतियों पर नजर रखना बहुत जरूरी हो जाता है।

खाना कम, वजन कम

अधिकांश लोगों की यह सोच होती है कि वजन कम करने का सबसे अच्छा तरीका होता है खाने को त्याग देना, लेकिन यह डाइटिंग की सबसे बड़ी गलती होती है। व्यक्ति को दिन में तीन बार ठीक से खाना चाहिए और तीन बार हैल्दी स्नैक्स लेने चाहिएं।

व्यायाम है बहुत जरूरी

यदि आप बहुत दिनों बाद व्यायाम करना शुरू करने वाले हैं तो एकदम से ट्रेडमिल पर दौड़ना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। इससे जिंदगी भर रहने वाला दर्द आपको जकड़ सकता है। अधिकांश लोग यह सोचते हैं कि जितना व्यायाम करेंगे, उतने ही सेहतमंद बने रहेंगे, जो गलत सोच है। इससे अच्छा होगा कि आप रोजाना 45 मिनट तक पैदल दौड़ लगाएं।

नमक हो संतुलित

अधिकांश लोग सोचते हैं कि नमक का त्याग कर देने से व्यक्ति सेहतमंद बना रहता है, इसलिए वे सिर्फ फल और दूध या जूस पर ही रहते हैं, जो गलत आइडिया है। इससे निम्न रक्तचाप और डायबिटीज की शिकायत हो सकती है। इसलिए रोजाना चलने वाली डाइट को चलने दें। हफ्ते में एक बार रात में बिना नमक के फल, सलाद व दूध या जूस ले सकते हैं।

समय पर भोजन करें

अपने खाने का समय निर्धारित कर लें। वजन कम करने के लिए जितनी कैलरी कम करने की कोशिश करते हैं, उतनी ही बढ़ती रहती है। चूंकि बिना समय के चिप्स, स्नैक्स, नमकीन खाते रहते हैं, इससे आपकी पाचन शक्ति खराब हो जाती है। इसलिए इसे नजरअंदाज न करें।

सोते समय खाना-पीना ठीक नहीं

रात के खाने के बाद, चलो चाय या कॉफी और मैगी हो जाए वाला फंडा ठीक नहीं। इसकी जगह ग्रीन टी, गर्म पानी या गर्म दूध लेना ज्यादा फायदेमंद होगा। इससे आपके सिस्टम को भी आराम मिलेगा।

नाश्ता करें हल्का

शाम होते ही बिना सोचे कुछ भी खाना शुरू हो जाता है, जिससे कैलरी काफी बढ़ जाती है। ऐसे में नमकीन, बिस्किट खाने से अच्छा होगा भुने हुए चने, स्वीटकॉर्न आदि लें।

कपड़ों में लग गए हैं पसीने के दाग तो आपके काम आएगा नींबू

दुनियाभर में महंगे से महंगा कपड़ा भी पसीने के दाग की वजह से खराब हो जाते हैं। पसीने के दाग हटाने के लिए आप इन उपायों को आजमा सकते हैं। आइए बताते हैं।

नींबू- पसीने के दाग को आसानी और सस्ते में साफ करने के लिए नींबू के रस को पानी में मिलाकर दाग वाली जगह लगा दें और बाद में इसे धो लें।

बेकिंग सोड़ा- बेकिंग सोड़ा कपड़ों से दाग मिटाने में बहुत कारगर है। वैसे आप पसीने के दाग को मिटाने के लिए बेकिंग सोडे को पानी में डालकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

सफेद सिरका- पसीने के दाग कपड़ों से हटाने के लिए कपड़ों को धोते समय हल्के गर्म पानी में एक ढक्कन सफेद सिरका मिलाएं। इसके बाद इसमें कपड़े को डूबो दें, इससे दाग छूट जाएंगे।

लिक्विड डिटर्जेंट- कपड़े पर दाग लगने के तुरंत बाद उसे गुनगुने पानी में भिगो दें, फिर कपड़े को पानी से निकालकर इस पर लिक्विड डिटर्जेंट लगाकर 5-10 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। उसके बाद एक सॉफ्ट ब्रश की मदद से दाग को रगड़कर कपड़े को साफ पानी से धो लें। यकीनन इससे दाग जल्द ही साफ हो जाएगा।

सोडा वाला पानी- कपड़ों को नींबू या फिर सोडा वाले पानी में पूरे 10 मिनट के लिए भिगो कर रख दें। ऐसा करने से आपके कपड़े से दाग तो जाएगा ही और साथ में उन कपड़ो में से अच्छी खुशबूदार महक भी आएगी।

काली और घनी आइब्रो के लिए अपनाएं ये घरेलू उपाय

आपका चेहरा डल लगेगा या ब्राइट यह आपकी आंखों पर निर्भर करता है। जी हां, चौंकिए नहीं गौर करके देखिए। अगर किसी की आंखें बोझिल लग रही हों तो उसका चेहरा कितना भी आकर्षक हो, सारा आकर्षण हवा हो जाएगा। आंखों को खूबसूरत दिखाने में बड़ा रोल आइब्रोज का भी होता है। अगर आपकी आईब्रो बहुत पतली या हल्की हैं तो आप कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर इन्हें मोटा और घना बना सकती हैं...

ऑलिव ऑइल : रोज रात को सोने से पहले उंगलियों के पोरों पर थोड़ा-सा जैतून का तेल (ऑलिव ऑइल) लगाकर करीब 5 से 10 मिनट हल्की मसाज करें। आपको 15 दिन में अंतर दिखना शुरू हो जाएगा।

एलोवेरा जेल : कुछ समय में ही आइब्रो घनी और काली करने का एक तरीका है एलोवेरा जेल। थोड़ा-सा एलोवेरा जेल उंगलियों पर लेकर दिन में दो बार हल्की मसाज आईब्रो पर करें। फायदा आप खुद महसूस करेंगी।

कच्चा दूध :रोज दिन में एक बार एक चम्मच कच्चा दूध रुई की मदद से आइब्रो पर लगाएं। इसका प्रतिदिन उपयोग आपकी आईब्रो को काला और आईब्रो हेयर को शाइनी बनाने में मदद करेगा।

नारियल का तेल : ब्यूटी केयर में हमारा पसंदीदा होता है नारियल तेल। स्किन से लेकर हेयर तक और फेस से लेकर पैरों तक इसका उपयोग किया जा सकता है। इससे रोज दो बार आईब्रो की मसाज करने से ये जल्द ही मोटी और काली हो जाती हैं।

प्याज का रस : प्याज का रस बालों की ग्रोथ के लिए बहुत अच्छा होता है। हर रोज दिन में एक बार प्याज का रस आईब्रो पर लगाने से ये जल्दी काली और घनी बनती हैं।

अगर आप कोई ऐसी टिप्स चाहती हैं, जिसे हर रोज ना करना पड़े तो आप अंडे की जर्दी का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसे सप्ताह में दो बार सिर्फ 10 मिनट के लिए लगाएं और फिर गुनगुने पानी से धुल लें। इसके बाद कैस्टर ऑइल से हल्की-सी मसाज कर लें। लाभ होगा।

कैजुअल कपड़ों के साथ इन फुटवियर्स को पहनें, लगेंगी ज्यादा खूबसूरत

आजकल के लोग फैशन के साथ-साथ आराम पर भी ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। यही वजह है कि रोजमर्रा के उपयोग के लिए कपड़े और फुटवियर्स का चलन बढ़ता जा रहा है। कैजुअल कपड़ों के साथ सही फुटवियर्स चुनना बहुत जरूरी है ताकि आपका लुक पूरा हो सके। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे फुटवियर्स के बारे में बताएंगे, जो आपके कैजुअल लुक को और भी खास बना सकते हैं।

स्नीकर्स

स्नीकर्स एक ऐसा जूता है, जो किसी भी रोजमर्रा के कपड़े के साथ अच्छे से मेल खाता है। ये न केवल आरामदायक होते हैं, बल्कि स्टाइलिश भी दिखते हैं। स्नीकर्स को आप जींस, लोअर या यहां तक कि कुर्ते के साथ भी पहन सकती हैं। ये आपके लुक को न केवल आकर्षक बनाते हैं बल्कि पूरे दिन आराम भी देते हैं। इसलिए अगर आप रोजमर्रा के उपयोग के लिए कुछ चुनने जा रही हैं तो स्नीकर्स पर ध्यान दें।

फ्लैट सैंडल्स

फ्लैट सैंडल्स गर्मियों में सबसे अच्छे विकल्प होते हैं क्योंकि ये पैरों को हवा लगने देते हैं और चलने में कोई दिक्कत नहीं होती है। इन्हें आप किसी भी तरह की रोजमर्रा की पोशाक के साथ पहन सकती हैं जैसे कि ड्रेस, जींस या लोअर। फ्लैट सैंडल्स आरामदायक होने के साथ-साथ स्टाइलिश भी होते हैं, जिससे आपका लुक खास बनता है। इनका चयन करते समय अपने आराम और स्टाइल पर ध्यान दें।

लोफर्स

लोफर्स एक ऐसा जूता है, जो किसी भी तरह की रोजमर्रा की पोशाक के साथ अच्छे से मेल खाता है। ये न केवल आरामदायक होते हैं, बल्कि स्टाइलिश भी दिखते हैं। लोफर्स को आप जींस, लोअर या यहां तक कि कुर्ते के साथ भी पहन सकती हैं। इनका चयन करते समय अपने आराम और स्टाइल पर ध्यान दें ताकि आप पूरे दिन बिना किसी परेशानी के इन्हें पहन सकें।

एंकल बूट्स

एंकल बूट्स सर्दियों में सबसे अच्छे विकल्प होते हैं क्योंकि ये पैरों को गर्म रखते हैं और ठंड से बचाते हैं। इन्हें आप किसी भी तरह की रोजमर्रा की पोशाक जैसे कि ड्रेस, जींस या लोअर आदि के साथ पहन सकती हैं। एंकल बूट्स स्टाइलिश होने के साथ-साथ आरामदायक भी होते हैं, जिससे आपका लुक खास बनता है। इनका चयन करते समय अपने आराम और स्टाइल पर ध्यान दें।

फ्लैट बेली

फ्लैट बेली गर्मियों में सबसे अच्छा विकल्प होता है क्योंकि ये पैरों को हवा लगने देते हैं और चलने में कोई दिक्कत नहीं होती। इन्हें आप किसी भी तरह की रोजमर्रा की पोशाक जैसे कि ड्रेस, जींस या लोअर आदि के साथ पहन सकती हैं। फ्लैट बेली स्टाइलिश होने के साथ-साथ आरामदायक भी होते हैं, जिससे आपका लुक खास बनता है। इनका चयन करते समय अपने आराम और स्टाइल पर ध्यान दें।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

घर पर आसानी से उगाया जा सकता है एलोवेरा

एलोवेरा एक ऐसा पौधा है, जो न केवल घर की सजावट के लिए अच्छा है, बल्कि इसमें कई औषधीय गुण भी होते हैं। इस पौधे की पत्तियों में मौजूद जेल त्वचा और बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। अगर आप सोच रहे हैं कि एलोवेरा पौधे को कैसे उगाया जा सकता है तो आपको बता दें कि यह बहुत आसान है। आइए जानते हैं कि घर पर एलोवेरा पौधे को कैसे उगाया जा सकता है।

सही जगह का चयन करें

एलोवेरा पौधे को उगाने के लिए सबसे पहले आपको सही जगह का चयन करना होगा। यह पौधा सूरज की रोशनी पसंद करता है इसलिए इसे ऐसी जगह रखें जहां दिनभर धूप आती हो। अगर आपके पास बगीचा नहीं है तो आप बालकनी या छत पर भी इसे रख सकते हैं। ध्यान रखें कि एलोवेरा को ज्यादा देर तक सीधी धूप में न रखें, बल्कि सुबह की धूप और शाम की हल्की रोशनी ही पर्याप्त होती है।

मिट्टी का ध्यान रखें

एलोवेरा पौधे के लिए अच्छी मिट्टी बहुत जरूरी होती है। इसके लिए हल्की और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी का इस्तेमाल करें। आप गार्डन सेंटर से तैयार मिट्टी खरीद सकते हैं या खुद ही घर पर बना सकते हैं। इसके लिए रेत, गोबर की खाद और थोड़ी-सी सड़ी हुई पत्तियों को मिलाकर इस्तेमाल करें। इससे पौधे को पोषण मिलेगा और वह तेजी से बढ़ेगा। ध्यान रखें कि मिट्टी न ज्यादा गीली हो, न ज्यादा सूखी होनी चाहिए।

पानी देने का तरीका समझें

एलोवेरा पौधे को पानी देने का तरीका भी अहम होता है। इसे ज्यादा पानी देने की जरूरत नहीं होती क्योंकि इससे इसकी जड़ें सड़ सकती हैं। हफ्ते में एक बार या जब मिट्टी सूखी लगे तब ही पौधे को पानी दें। बारिश के मौसम में प्राकृतिक नमी मिल जाती है इसलिए इस दौरान कम पानी देने की जरूरत होती है। ध्यान रखें कि पानी देने का तरीका ऐसा हो कि पौधे के ऊपर पानी न पड़े।

खाद का उपयोग करें

एलोवेरा पौधे को स्वस्थ रखने के लिए समय-समय पर खाद का उपयोग करना जरूरी होता है। आप जैविक खाद जैसे गोबर की खाद या किसी अच्छे गुणवत्ता वाले रासायनिक खाद का इस्तेमाल कर सकते हैं। खाद देने का तरीका ऐसा होना चाहिए कि पौधे की जड़ों तक पहुंचे ताकि उसे सभी पोषक तत्व मिल सकें। इसके अलावा हर 6 महीने में एक बार ही खाद देना चाहिए ताकि पौधा ज्यादा न बढ़े और उसका आकार भी सही रहे।

नियमित देखभाल करें

एलोवेरा पौधे की नियमित देखभाल करना बहुत जरूरी होता है। इसमें समय-समय पर पानी देना, खाद लगाना, धूप-छांव का ध्यान रखना आदि शामिल हैं। अगर आप इन सभी बातों का ध्यान रखेंगे तो आपका एलोवेरा पौधा जल्दी ही बड़ा हो जाएगा और आपको इसका कई प्रकार से उपयोग करने का मौका मिलेगा। इस तरह आप आसानी से अपने घर पर एलोवेरा पौधा उगा सकते हैं, जो आपके लिए कई फायदे लेकर आएगा। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -010

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे

1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

1		2	■	3		4	■	5
	■	6			■	7		
8	9		■	10	11		■	
■		■	■	■		■	■	■
12		13	■	14		15	■	16
	■	17			■	18		
19	20		■	21	22		■	
■		■	■	■		■	23	
24		■	■	25				■

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 09 का हल

दा	ढ़ी	■	की	■	खा	सो	आ	म
वा	■	त	म	न्ना	■	■	जा	■
न	जा	क	त	■	बा	अ	द	ब
ल	■	ली	■	वि	ला	प	■	हा
■	अ	फ	सा	ना	■	मा	हि	र
दा	ब	■	■	श	गु	न	■	■
न	■	उ	प	का	र	■	शि	■
व	■	त्स	■	र	■	त	क	ला
■	सा	व	न	■	गु	रु	वा	र

फोर मोर शॉट्स प्लीज के चौथे सीजन का ऐलान!

प्राइम वीडियो ने ऐलान किया कि अमेजन ओरिजिनल सीरीज फोर मोर शॉट्स प्लीज का फिनाले अब जल्द ही प्रीमियर होने जा रहा है। दर्शक जहां इसकी वापसी का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं, वहीं इस इंटरनेशनल एमी-नॉमिनेटेड सीरीज़ के अगले चैप्टर की घोषणा से एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है। प्रीतीश नंदी कम्युनिकेशंस के प्रोडक्शन में बनी और रंगीता प्रीतीश नंदी और इशिता प्रीतीश नंदी द्वारा क्रिएट की गई इस ग्लोबली-अक्लेम्ड शो ने अपने बोल्ड और मोटिवेटिंग स्टोरीटेलिंग, शानदार विज़ुअल स्टाइल और आज की महिलाओं की जिंदगी के उतार-चढ़ाव को रियल तरीके से दिखाकर सभी को खूब कनेक्ट किया है।

सीज़न 4 पूरी तरह खुशी से भरा है और इस बार दामिनी, अंजना, सिद्दी और उमंग ये जानने वाली हैं कि उन्हें किसी और का नंबर वन बनने की ज़रूरत नहीं बल्कि वो खुद अपनी लाइफ की हीरो हैं, क्योंकि खुशी कोई लग्ज़री नहीं, बल्कि जीने का एक तरीका है।

गर्ल्स फिर लौट आई हैं और इस बार साथ है और भी ज्यादा मस्ती, ड्रामा, शॉट्स और तड़का। इस नए चैप्टर में आइडेंटिटी, इंडिपेंडेंस, फ्रीडम और इंटिमेसी जैसे इमोशन्स को और गहराई से एक्सप्लोर किया जाएगा, वो भी शो के उसी सिग्नेचर अंदाज में यानी ईमानदारी, ग्लैमर और जबरदस्त ह्यूमर के साथ। इस बार कुछ नए चेहरे भी नजर आएंगे और शो की फेमस गर्ल्स ट्रिप्स तो हैं ही, जो आपको भी बैग पैक कर के उनके साथ निकल पड़ने पर मजबूर कर देंगी। कुल मिलाकर, ये सीज़न लाएगा दस गुना ज्यादा मस्ती, कैमिस्ट्री और हलचल से भरा होने वाला है।

बेबाक अंदाज़ और दिल से जुड़ी कहानी के साथ ये शो दोस्ती, प्यार और खुद से मोहब्बत का जश्न मनाता है और यही वजह है कि दुनियाभर के दर्शकों के दिलों को छू गया है। ये शो आज भी दमदार, मोटिवेटिंग और एनर्जेटिक स्टोरीटेलिंग की मिसाल बना हुआ है, और प्राइम वीडियो के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले इंडियन शोज़ में शामिल है।

फोर मोर शॉर्ट्स प्लीज का ये नया सीज़न धमाकेदार वापसी के लिए तैयार है, जिसमें एक से बढ़कर एक कलाकार नज़र आएंगे जैसे सयानी गुप्ता, कीर्ति कुल्हारी, बानी जे और मानवी गगरू के साथ लीज़ा रे, प्रतीक बब्बर, राजीव सिद्धार्थ, अंकुर राठी और मिलिंद सोमन जैसे जबरदस्त एक्टर्स शामिल हैं। इस सीज़न को देविका भगत ने लिखा है, डायलॉग्स ईशिता मोइत्रा के हैं और निर्देशन अरुणिमा शर्मा और नेहा पार्टी माटियानी ने किया है। फोर मोर शॉर्ट्स प्लीज सीजन 4 जल्द ही प्राइम वीडियो पर एक्सक्लूसिव रूप से स्ट्रीम होगा।

टाइगर श्रॉफ की बागी 4' को लेकर फैंस में क्रेज

टाइगर श्रॉफ की एक झलक पाने के लिए फैन्स बेताब हैं, और इसका ताज़ा उदाहरण है बागी 4'। हैरानी की बात यह है कि अभी तक फिल्म का कोई ऑफिशियल टीज़र या ट्रेलर रिलीज़ नहीं हुआ, लेकिन इंटरनेट पर इस फिल्म को लेकर जबर्दस्त क्रेज़ बना हुआ है। फैनमेड पोस्टर, एआई -जनित एक्शन क्लिप्स और नकली ट्रेलर इतने रियल लगते हैं कि लोग इन्हें ऑरिजिनल समझने की गलती कर बैठते हैं। आजकल सोशल मीडिया पर जो सबसे ज्यादा ट्रेंड कर रहा है, वो है बागी 4 का ट्रेलर लीक जैसे वीडियो। यूट्यूब से लेकर इंस्टाग्राम रील्स तक, काल्पनिक फाइट सीक्वेंस, एआई से बनी टाइगर श्रॉफ की स्टाइलिश एंट्री, और एडिटेड क्लिप्स ने एक अलग ही माहौल बना दिया है। यह सिर्फ फैन एडिट नहीं हैं, यह एक मूवमेंट है।

टाइगर श्रॉफ की बागी' फ्रैंचाइज़ी ने हमेशा एक वफादार दर्शक वर्ग तैयार किया है, लेकिन बागी 4' के लिए लोगों की दीवानगी पहले से कहीं अधिक दिखाई दे रही है। फेक क्लिप्स के लाखों व्यूज़, कमेंट सेक्शन में फिल्म की तारीफें, और वॉट्सऐप फॉरवर्ड्स में वायरल होती फैन थ्योरीज़-यह सब इस बात का सबूत हैं कि जनता इस फिल्म के लिए कितनी उत्साहित है।

टाइगर श्रॉफ की ब्रांड वैल्यू अब सिर्फ सिनेमा हॉल तक सीमित नहीं रही। उनका एक्शन, फिटनेस और लाइफस्टाइल आज की युवा पीढ़ी को प्रेरित कर रहा है। यही वजह है कि बिना किसी प्रमोशनल कैम्पेन के भी बागी 4' ऑनलाइन वर्ल्ड में ट्रेंडिंग टॉपिक बना हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म का ट्रेलर शीघ्र रिलीज़ हो सकता है। लेकिन अगर नकली टीज़र्स ही इतना बवाल मचा रहे हैं, तो सोचिए जब असली ट्रेलर आएगा, तो इंटरनेट कैसे हिल जाएगा! यह फिल्म टाइगर श्रॉफ के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग बन सकती है।

मैं चाहे कुछ भी कर लूं, लोगों को बस नफरत फैलाना और गाली देना पसंद है: उर्फी जावेद

करण जौहर का शो द ट्रेटर्स जीतने के बाद, उर्फी जावेद ट्रोलर्स के निशाने पर हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के ज़रिए बताया है कि कैसे उन्हें कुछ लोगों से धमकियां और अपमानजनक मैसेज मिल रहे हैं।

उर्फी ने इंस्टाग्राम पर ट्रोलर्स के मैसेज के स्क्रीनशॉट्स पोस्ट करते हुए लिखा, जब आपको कोई लड़की पसंद नहीं आती, तो बस आप उसके लिए आर शब्द छोड़ देते हैं। ऐसा पहली बार नहीं हो रहा जब मुझे इस तरह से धमकियां या गाली मिल रही है, लेकिन इस बार यह मेरे कपड़ों की वजह से नहीं बल्कि मेरे शो जीतने की वजह से हो रहा है। जब आपका मनपसंद खिलाड़ी नहीं जीतता, तो आप गाली देने लगते हो। ये मेरे अपलोड किए गए अच्छे वीडियो हैं, मैं चाहे कुछ भी कर लूं, लोगों को बस नफरत फैलाना और गाली देना पसंद है। अगर हर्ष को शो से न निकालती तो प्यार में अंधी, हर्ष को निकाल दिया तो धोखेबाज। पूरब को जीतने देती तो बेवकूफ, जीतने नहीं दिया तो धोखेबाज। नफरत ने मुझे पहले कभी नहीं रोका और न अब रोक पाएगी।

उर्फी जावेद को उनके बोल्ड और रिवीलिंग आउटफिट्स को लेकर हमेशा ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। हालांकि, वह खुलकर कहती हैं कि उन्हें ट्रोलर्स से बिल्कुल फर्क नहीं पड़ता है। बता दें, उर्फी जावेद और निकिता लूथर ने करण जौहर द्वारा होस्ट किए गए शो द ट्रेटर्स के पहले सीजन में विजेता का खिताब जीता। दोनों को प्राइज मनी के तौर पर ७०.०५ लाख रुपए मिले। फिनाले में उर्फी, निकिता, हर्ष और सुधांशु क्वालीफायर थे। सुधांशु के बाहर होने के बाद, निकिता और उर्फी ने हर्ष और पूरब के खिलाफ वोट देकर बाहर कर दिया। द ट्रेटर्स में कई जाने-माने लोगों ने हिस्सा लिया था। इनमें अंशुला कपूर, अपूर्वा मखीजा, आशीष विद्यार्थी, एलनाज नौरोजी, हर्ष गुजराल, जन्नत जुबैर, जान्हवी गौर, जैस्मिन भसीन, करण कुंद्रा, लक्ष्मी मांचू, महीप कपूर, मुकेश छाबड़ा, पूरब झा, रफ्तार, साहिल सलाथिया, सुधांशु पांडे, सूफी मोतीवाला और उर्फी जावेद थे।

इस शो में कई कंटेस्टेंट इनोसेंट थे, जिन्हें ट्रेटर्स की पहचान करनी थी। यह शो प्राइम वीडियो पर 12 जून को रिलीज हुआ था, जिसका निर्माण बीबीसी स्टूडियोज इंडिया प्रोडक्शंस और ऑल 3 मीडिया इंटरनेशनल ने संयुक्त रूप से मिलकर किया। शो आईडीटीवी के बाफ्टा और एमी पुरस्कार विजेता फॉर्मेट का भारतीय रूपांतरण है। (आरएनएस)

पलक तिवारी ने मॉरिशस वेकेशन से शेयर की ग्लैमरस तस्वीरें

एक्ट्रेस पलक तिवारी अपने ग्लैमरस और स्टाइलिश अंदाज़ से एक बार फिर सुर्खियों में हैं। पलक ने हाल ही में मॉरिशस वेकेशन से अपनी कुछ बेहद स्टनिंग तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। पलक ने अपने वेकेशन एल्बम में पिंक और पर्पल क्रोशिया बिकिनी सेट में फोटो शेयर की हैं। खुले बाल, सटल मेकअप और बीच बैकग्राउंड के साथ उनका ये बोल्ड अवतार इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है। पलक ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, पीटी। में मॉरीशस - एक एल्बम और कुछ ही घंटों में तस्वीरों पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स की बरसात हो गई।

फैंस ने उनकी तस्वीरों पर गॉर्जियस, स्टनिंग जैसे कमेंट्स किए और हार्ट व फायर इमोजी से कमेंट सेक्शन भर दिया।पलक तिवारी का ये बीच लुक एक बार फिर यह साबित करता है कि वह सिर्फ एक्टिंग में ही नहीं, बल्कि फैशन और स्टाइल के मामले में भी यूथ आइकन बन चुकी हैं। उनके इस वेकेशन लुक ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है और फैंस अब उनकी अगली पोस्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

पलक तिवारी को आखिरी बार संजय दत्त और मौनी रॉय के साथ हॉरर कॉमेडी फिल्म द भूतनी में देखा गया था। फिल्म ने दर्शकों को निराश किया था। अब उनके फैंस पलक के नए प्रोजेक्ट का बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं।

बनी होप कैच अवैध करार

मनोज चतुर्वेदी

पिछले साल टी-2० विश्व कप के फाइनल में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने डेविड मिलर का कैच पकड़कर पांसा पलट दिया था। इस कैच को यादगार कैचों में शुमार किया जाता है। पर रोमांच पैदा करने वाले इस तरह के कैच अब देखने को नहीं मिलेंगे। बनी होप कहलाने वाले इन कैचों को आईसीसी के नियम बनाने वाली संस्था मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने अवैध करार दे दिया है। इस तरह के कैचों के लिए अब नया नियम बना दिया है।

एमसीसी द्वारा बनाए नए नियम के हिसाब से कोई खिलाड़ी बाउंड्री लाइन पर मौजूद फील्डर यदि कैच पकड़ने के लिए उछलता है और वह गेंद पकड़ते समय समझता है कि वह सीमा रेखा के बाहर जा रहा है तो वह गेंद को उछालकर सीमा रेखा के अंदर पकड़कर ही कैच पूरा कर सकता है। अगर वह गेंद सीमा रेखा के बाहर उछालकर और फिर बाहर जाकर हवा में रहते हुए, फिर से गेंद को अंदर उछालकर पड़ता है तो इस कैच को मान्य नहीं माना जाएगा। इसके अलावा खिलाड़ी ने बाउंड्री लाइन से बाहर जाकर हवा में रखकर गेंद उछाली तो खुद उसे ही मैदान में अंदर आकर पकड़ना होगा। अगर कोई दूसरा फील्डर इस मैच को पकड़ता है तो इसे अमान्य कर दिया जाएगा। क्रिकेट नियमों बदलाव एक अनवरत प्रक्रिया है।

खेल को और रुचिकर बनाने के उद्देश्य से नियमों में बदलाव हमेशा ही होते रहे हैं। इन नियमों में बदलाव का उद्देश्य एक तो बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों में संतुलन बनाए रखना होता है। पिछले कुछ सालों में

बनी होप कैचों ने क्रिकेट में नया रोमांच तो पैदा किया है। पर कई बार दर्शकों को लगता है कि यह बल्लेबाजों के प्रति अन्याय है और जिस शॉट पर उसे छक्का मिलना चाहिए था, उस पर उसे आउट दे दिया गया। 2०23 की बिग बैश लीग में माइकल नेसर द्वारा पकड़े एक कैच पर सवाल उठे।

इसी तरह बिग बैश लीग में ही 2०2० में मैथ्यूवेड के कैच को लेकर भी सवाल उठे तो इस पर आईसीसी ने कैच के इस नियम की एमसीसी से समीक्षा करने को कहा था। एमसीसी ने समीक्षा के दौरान पाया कि यदि गेंद को उछालने वाला ही मैदान में अंदर आकर कैच पकड़े तब ही कैच मान्य होगा। मैथ्यू वेड के कैच मामले में मैट रैनशॉ बाहर से अंदर गेंद उछालने के बाद खुद बाहर ही गिर गए थे। अब नये नियम में सिर्फ एक बार ही गेंद को हवा में उछाला जा सकेगा। यह नियम श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच 17 जून से गॉल में खेले जाने वाले टेस्ट से लागू होगा। असल में इस टेस्ट से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की नई साइकिल शुरू हो रही है।

एमसीसी अधिकृत तौर पर इस नियम को अक्टूबर 2०26 से लागू करेगा। आईसीसी क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने के लिए नियमों में बदलाव करता रहता है। इस सोच का ही नतीजा है कि टेस्ट मैचों से शुरुआत के बाद यह वनडे और टी-2० प्रारूप तक आ पहुंचा है। साथ ही आईसीसी की क्रिकेट समिति भी समय-समय पर हालात के हिसाब से नियमों में बदलाव करती रहती है। जिस तरह कोविड के समय में लार के माध्यम से वह फैल सकता था, तो गेंद की चमक बनाए रखने के लिए लार के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। इसके लिए गेंदबाजों ने पसीने का इस्तेमाल करना शुरू किया, लेकिन लार के इस्तेमाल पर रोक से गेंदबाजों को रिवर्स स्विंग में दिक्कत आने लगी, क्योंकि वह गेंद की एक साइड को चमका नहीं पा रहे थे।

पर आईपीएल के इस सत्र में लार के इस्तेमाल की छूट दे दी गई। हम सभी जानते हैं कि क्रिकेटप्रेमियों को स्टेडियम तक खींचकर लाने में बल्लेबाजों के विस्फोटक अंदाज की सबसे अहम भूमिका होती है। ऐसा नहीं है कि क्रिकेटप्रेमी अच्छी गेंदबाजी को पसंद नहीं करते हैं। पर उन्हें मजा चौके-छक्के देखने में ही आता है। इस कारण ज्यादातर नियम बल्लेबाजों के पक्ष वाले ही होते हैं, क्योंकि ज्यादा से ज्यादा लोगों के मैच देखने का आईसीसी की कमाई से सीधा संबंध होता है। पर आईसीसी इस बात का ख्याल भी रखता है कि बल्लेबाजी और गेंदबाजी में संतुलन बना रहे।

इसी को ध्यान में रखकर वनडे मैचों में दो गेंदों के इस्तेमाल की शुरुआत हुई, क्योंकि पहले गेंद पुरानी होते ही बल्लेबाज हावी हो जाया करते थे। पर एमसीसी ने दो गेंदों के नियम में भी थोड़ा बदलाव किया है। अभी तक 5० ओवर के मैच में एक गेंद से 25 ओवर फेंके जाते थे। पर नए नियम के मुताबिक वनडे मैचों में 34 ओवर तक दो गेंदों से गेंदबाजी होगी और बाकी 16 ओवरों के लिए फील्डिंग टीम इन दो गेंदों में से किसी एक गेंद का इस्तेमाल कर सकेगी।

आईसीसी ने कुछ सालों पहले खेल रहे किसी खिलाड़ी के चोटिल होने पर उसकी जगह खिलाड़ी देने के लिए कन्कशन नियम बनाया था। इसमें खिलाड़ी के चोटिल होने पर ही बताया जाता था कि उसकी जगह किसे खिलाएंगे, लेकिन अब टीमों को मैच शुरू होने से पहले मैच रेफरी को कन्कशन के लिए पांच खिलाड़ियों की सूची सौंपनी होगी। इसमें एक बल्लेबाज, एक कीपर, एक तेज गेंदबाज, एक स्पिनर और एक ऑलराउंडर का नाम शामिल करना होगा।

सलमान ने किया बैटल ऑफ गलवान का ऐलान

सलमान खान को पिछली बार फिल्म सिकंदर में देखा गया था। इस फिल्म से उनके साथ-साथ दर्शकों को भी बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म फेल हो गई। बहरहाल, अब सलमान अपनी नई फिल्म से दर्शकों को चौंकाने के लिए तैयार हैं। काफी समय से चर्चा थी कि गलवान घाटी संघर्ष पर फिल्म बन रही है और अब इसकी आधिकारिक घोषणा भी हो गई है। फिल्म से सलमान की पहली झलक सामने आ गई है।

फिल्म का नाम बैटल ऑफ गलवान रखा गया है। सलमान ने सोशल मीडिया पर इस फिल्म का मोशन पोस्टर रिलीज कर दिया है, जिसे देख लग रहा है कि सलमान सिनेमाघरों में धमाका करने वाले हैं। पोस्टर में सलमान के चेहरे पर खून के निशान, बड़ी मूंछें और आंखों में देशभक्ति की चमक दिख रही है। फिल्म एक सच्ची लड़ाई की कहानी पर बनी है, जो बिना गोली चलाए लड़ी गई थी।

इस फिल्म कहानी साल 2०2० के गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है। अपूर्वा की फिल्म में सलमान भारतीय सेना की वर्दी पहने नजर आएंगे। यह फिल्म किताब इंडियाज मोस्ट फीयरलेस 3 के एक अध्याय पर आधारित होगी, जिसे शिव अरूर और राहुल सिंह ने लिखा है। सलमान इस फिल्म में कर्नल संतोष बाबू की भूमिका निभा रहे हैं। गलवान घाटी की लड़ाई 15 जून, 2०2० को भारत और चीन की सेना के बीच लद्दाख में गलवान नदी घाटी पर लड़ी गई थी। ये झड़प तब शुरू हुई, जब भारतीय सैनिकों ने चीनी सैनिकों को एक गश्ती बिंदु से हटने के लिए कहा, जो कथित तौर पर भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ कर रहे थे।

सू- दोकू क्र.010

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.09का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

आस्था के सहारे आतंकवाद को जवाब

अनुराग गुप्ता

पवित्र अमरनाथ यात्रा का शुभारंभ हमेशा से ही आस्था और भक्ति का प्रतीक रहा है, लेकिन इस वर्ष इसका महत्व कहीं अधिक गहरा गया है। 3 जुलाई, 2०25 को शुरू हुई यह 38 दिवसीय यात्रा, जो 9 अगस्त को रक्षाबंधन के पावन पर्व पर संपन्न होगी, मात्र एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति और अटूट विश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। विशेषकर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बावजूद, जिस तरह से श्रद्धालुओं का उत्साह और पंजीकरण का आंकड़ा (साढ़े तीन लाख से अधिक) बरकरार है, वह यह साबित करता है कि आतंकवादी अपने नापाक मंसूबों में कभी कामयाब नहीं होंगे।

इस यात्रा का पहला जत्था, जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह सिर्फ यात्रियों की आवाजाही नहीं, बल्कि राष्ट्र के अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का मार्च था। जिस तरह से प्रत्येक श्रद्धालु के चेहरे पर भगवान शिव के दर्शन की लालसा झलक रही थी, वह किसी भी आतंकी साजिश से कहीं अधिक शक्तिशाली है।

पहलगाम की घटना के बाद, अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व स्तर तक मजबूत किया गया है। लगभग 5०,००० अर्ध सैनिक बलों की तैनाती, भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों का समन्वय, ड्रोन निगरानी, जीपीएस ट्रैकिंग जैसी आधुनिक तकनीकें, यह सब केवल सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं के विश्वास को और मजबूत करने के लिए है। यह दिखाता है कि सरकार और सुरक्षा बल श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए कटिबद्ध हैं।

पहाड़ी बचाव दल और चिकित्सा सुविधाओं की व्यापक उपलब्धता भी यह सुनिश्चित करती है कि प्राकृतिक चुनौतियों का सामना भी पूरी तैयारी के साथ किया जा सके। यह अभूतपूर्व सुरक्षा घेरा आतंक के खिलाफ हमारी दृढ़ता का स्पष्ट संदेश है। हालांकि राज्य सरकार, स्थानीय प्रशासन और खुफिया तंत्र को भी और चौकस रहने की जरूरत है। दरअसल, सीमा पार से संचालित आतंकवादी संगठन और उनके आका लगातार जम्मू-कश्मीर में अशांति फैलाने और लोगों के मन में डर पैदा करने की कोशिश करते रहे हैं। उनका उद्देश्य पवित्र यात्राओं को बाधित करना और धार्मिक सद्भाव को बिगाड़ना है, लेकिन अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का यह अथाह उत्साह और अटूट विश्वास उनकी सभी साजिशों पर भारी पड़ा है। यह यात्रा न केवल एक धार्मिक कर्तव्य का निर्वहन है, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ एक मौन, फिर भी शक्तिशाली विरोध भी है।

जब लाखों श्रद्धालु इतनी कड़ी सुरक्षा के बीच, विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए भी पवित्र गुफा की ओर बढ़ते हैं, तो यह आतंकवादियों और उनके समर्थकों को एक स्पष्ट संदेश देता है कि भारत के लोग न तो डरेंगे और न ही झुकेंगे। वे अपनी आस्था और अपने देश के प्रति प्रतिबद्ध हैं। यह यात्रा आतंकवादियों के 'नैरेटिव' को ध्वस्त करती है और दिखाती है कि जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल हो रही है और शांति की इच्छा हर भय से ऊपर है।

अमरनाथ यात्रा 2०25 केवल तीर्थयात्रा नहीं, बल्कि भारत की अविचल आत्मा, अटूट आस्था और आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देने की क्षमता का प्रतीक है। यह यात्रा साबित करती है कि आस्था की अग्नि और राष्ट्रीय एकता का बल किसी भी नापाक इरादे से कहीं अधिक शक्तिशाली है। जाहिर है बाबा बर्फानी के प्रति आस्था दरअसल आतंकवादियों को श्रद्धालुओं का करारा जवाब है कि आतंकवाद के आका भारतीयों के हौसलों को कभी नहीं डिगा पाएंगे।

बच्चे को पत्थर से मारने वाली महिला की गिरफ्तारी को लेकर हंगामा

संवाददाता

देहरादून। बच्चे को पत्थर से मारने वाली महिला की गिरफ्तारी को लेकर क्षेत्रवासियों ने चौकी का घेराव कर हंगामा किया।

उल्लेखनीय है कि गत दिवस रीठा मंडी में बुधवार को गली में खेल रहे पांच वर्षीय बच्चे गौरव को पडोसन दानवीर की पत्नी मीना अपनी घर में ले गयी और अन्दर दरवाजा बंद कर दिया। थोडी देर बाद गौरव के चिल्लाने की आवाज आयी तो आसपास के लोगों ने वहां पहुंचकर दरवाजा तोडकर अंदर दाखिल हुए। उन्होंने देखा कि मीना के हाथ में चटनी पीसने वाला पत्थर था जिसे उसने लोगों को देखकर हाथ से गिरा दिया। वहीं पास में ही गौरव मूर्छित हालत में पडा था। वह खून से लथपथ था। जिसको एम्बुलेंस में डालकर दून चिकित्सालय लाया गया। जिसको चिकित्सकों ने आईसीयू में भर्ती किया। चिकित्सकों ने उसकी हालत अति गम्भीर बतायी। जिसके बाद मीना व उसका पति अपने घर से भाग गये। जिनकी तलाश की जा रही है। आज सुबह रीठा मंडी के लोग लक्खीबाग चौकी के समक्ष एकत्रित हुए और उन्होंने हमलावर महिला की गिरफ्तारी के लिए वहां पर जमकर हंगामा किया। लोगों का कहना था कि छह साल के बच्चे से मारपीट करने वाली महिला को शीघ्र गिरफ्तार किया जाये। हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। क्षेत्रवासियों का कहना था कि अगर कल पुलिस मामले को गम्भीरता से लेती तो हमलावर महिला भाग नहीं सकती थी। काफी समझाने के बाद लोगों का गुस्सा शांत हुआ।

तीन पेटी शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

टिहरी। पुलिस ने तीन पेटी शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टिहरी गढवाल में त्रिस्तरीय पंचायती चुनाव के आचार संहिता लागू होने के दृष्टिगत थाना क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री पर अंकुश लगाने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकश्री आयुष अग्रवाल के आदेशानुसार व अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी चम्बा के निकट प्रवेक्षण में थाना थत्यूड़ पुलिस द्वारा दौराने वाहन चैकिंग समय सचिन भारद्वार पुत्र मुकेश भारद्वाज निवासी हाथीपांव मसूरी को 12 बोतल व 96 पव्वे (कुल 03 पेटियाँ) अंग्रेजी शराब के साथ मय वाहन स्वीफट डिजायर से परिवहन करते हुये गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

लोककलाओं व परंपराओं के संरक्षण हेतु कलाकारों ने खण्डूडी से की भेंट

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड की विलुप्त होती लोककलाओं और परंपराओं के संरक्षण हेतु कलाकारों ने विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण से शिष्टाचार भेंट की। आज यहां उत्तरकाशी से आए लोकसंस्कृति से जुड़े प्रसिद्ध युवा कलाकार मुकुल बडुनी एवं ने उत्तराखण्ड विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण से शिष्टाचार भेंट की। यह भेंट उत्तराखण्ड की विलुप्त होती कला, संस्कृति एवं परंपराओं को अपने सृजन के माध्यम से पुनर्जीवित करने के प्रयासों के संदर्भ में की गई। इस अवसर पर उन्होंने अपने हस्तनिर्मित चित्रकला "माँ गंगा" की एक अनुपम कलाकृति विधानसभा अध्यक्ष को उपहार स्वरूप भेंट की, जिसे उन्होंने अत्यंत भावपूर्ण एवं प्रेरणास्पद बताया। यह कलाकृति न केवल कला का अद्भुत उदाहरण है, बल्कि उत्तराखण्ड की अध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान का भी प्रतीक है। विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण ने मुकुल बडुनी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि "उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक धरोहर केवल हमारी पहचान ही नहीं, बल्कि हमारी आत्मा है। इसे संजोए रखना और नई पीढ़ी तक पहुँचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।" उन्होंने कहा कि लोककलाओं को मंच और प्रोत्साहन देकर हम अपने राज्य की सांस्कृतिक विविधता को वैश्विक पहचान दिला सकते हैं। श्रीमती खण्डूडी भूषण ने इससे जुड़े सभी कलाकारों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं और आश्वस्त किया कि ऋतु खण्डूडी भूषण पारंपरिक कला एवं कलाकारों को निरंतर सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

युवक पर फायरिंग करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। युवक पर फायरिंग कर जानलेवा हमले के तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से तीन तमंचे व कारतूस बरामद किये गये है। आरोपियों द्वारा पुरानी रंजिश के चलते घटना को अंजाम दिया गया था।

जानकारी के अनुसार बीती 12 जुलाई को वैभव रावत पुत्र दिनेश रावत, निवासी शिव विहार कालोनी गुमानीवाला ने थाना ऋषिकेश में तहरीर देकर बताया गया था कि हर्ष चौधरी उर्फ हर्ष जाट, लव कांबोज व अन्य व्यक्तियों द्वारा बैराज रोड ऋषिकेश में वाहन में आकर उन पर तथा उसके साथियों पर अचानक फायर करके जानलेवा हमला किया गया और वह मौके से भाग निकले।

मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस टीमों द्वारा बीती शाम एक सूचना के आधार पर घटना में शामिल तीन आरोपियों हिंमाशु उर्फ प्रशान्त, दीक्षित कुमार एवं विशाल कश्यप उर्फ सूटर को तीन देशी

तीन तमंचे व कारतूस बरामद, पुराने विवाद के चलते दिया था घटना को अंजाम

तमंचो व तीन कारतूसों के साथ खाण्डगांव पार्किंग के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि घटना में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमें द्वारा लगातार दबिशे दी जा रही है। पूछताछ में आरोपियों द्वारा बताया गया कि आरोपी हर्ष चौधरी का वैभव रावत से पूर्व से ही किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था तथा आरोपी हर्ष चौधरी द्वारा ही वैभव रावत व उसके साथियों को डराने के लिये उन्हे को ऋषिकेश बुलाया गया था, अन्य दोनों आरोपियों हर्ष चौधरी व लव कंबोज की तलाश की जा रही है

शराब के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने लालतप्पड के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 54 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम दिनेश कुमार पुत्र रामसमझ निवासी माजरी बताया। वहीं राजपुर थाना पुलिस ने शीतला माता मंदिर के पास से एक युवक को 55 पव्वों के साथ गिरफ्तार किया जिसने अपना नाम सचिन सिंह पुत्र जितेन्द्र सिंह निवासी कैनाल रोड बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

तीन शिवभक्तों को डूबने से बचाया

संवाददाता

टिहरी। पुलिस ने स्नान करने आये तीन शिवभक्तों को डूबने से बचाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कावड़ मेला के दौरान थाना मुनिकीरेती क्षेत्र में अलग-अलग गंगा घाटों पर गंगा स्नान करने के लिए आए शिव भक्तों का जल पुलिस व आपदा राहत दल के कर्मचारीयों के द्वारा रेस्क्यू उपकरणों की सहायता से गंगा नदी से सकुशल रेस्क्यू किया गया। गंगा की तेज धार में ये तीनों बहने लगे थे कि ड्यूटी पर तैनात जल पुलिस की तत्परता से इनकी जान बचाई जा सकी। घाटो पर मौजूद सभी शिव भक्तों के द्वारा जल पुलिस टीम का धन्यवाद व प्रशंसा की गयी। रेस्क्यू किये गए शिव भक्तों ने अपने नाम जितेंद्र कुमार पुत्र श्री ओमप्रकाश निवासी सेक्टर 40 नोएडा उत्तर प्रदेश, सनी पुत्र राकेश कुमार निवासीग्राम पावी पोस्ट ऑफिस पावी जिला अगरौला उत्तर प्रदेश, अंकित पुत्र प्रेमचंद निवासी मकान नंबर 79 गली नंबर 10 बी विनय नगर भगवानपुर फरीदाबाद हरियाणा बताया।

दून पुलिस के जवान ने 82वीं बार किया रक्तदान

संवाददाता

देहरादून। उपचाराधीन व्यक्ति की सहायता के लिए दून पुलिस के जवान शाहनवाज ने रक्तदान किया। शाहनवाज ने इससे पहले 81वी बार रक्तदान किया है।

आज यहां किसी भी अपरिहार्य स्थिति अथवा संकट की घडी में सदैव आमजन की सेवा हेतु तत्पर रहने वाली उत्तराखंड पुलिस द्वारा एक बार फिर मित्रता, सेवा, सुरक्षा के मूल मंत्र को चरित्रार्थ करते हुए अपने मानवता के कर्तव्यों को अंजाम देने की मिसाल पेश की है। व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राफिक ऐरा हॉस्पिटल देहरादून में उपचाराधीन एक व्यक्ति को रक्त की नितांत आवश्यकता है, जिस पर एस एस पी ऑफिस देहरादून में नियुक्त कांस्टेबल शाहनवाज द्वारा तत्काल ग्राफिक ऐरा हॉस्पिटल जाकर स्वेच्छा से रक्तदान करते हुए उपचाराधीन व्यक्ति की सहायता करते हुए उत्तराखंड पुलिस के मानवता के कर्तव्यों का निर्वहन किया गया। जिस पर उपचाराधीन व्यक्ति के परिजनों द्वारा उत्तराखंड पुलिस की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए दून पुलिस का आभार व्यक्त किया गया। उक्त जवान द्वारा इससे पूर्व भी 81 बार रक्तदान किया जा चुका हैं।

पत्नी व बेटे पर बंदूक तानने वाले का शस्त्र लाईसेंस निरस्त

●लाईसेंस का मतलब मनमर्जी की छूट नहींः डीएम

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने माँ बेटे के लिए खतरे का सबब बने शस्त्र लाईसेंस को निरस्त कर दिया है। दरसल विगत जनता दिवस में रेसकोर्स निवासी विकास घिल्डियाल ने बताया कि उसकी माता पिता के तलाक होने के बाद भी उसके पिता लाइसेंसी बंदूक से उसे और उसकी माता को डराया धमकाया करते है, जिससे कभी भी अप्रिय घटना हो सकती है। सगे बेटे व पत्नी के लिए ही खतरे का सबब बना शस्त्र को डीएम ने विशेषाधिकार प्रयोग कर मौके पर ही लाइसेंस निर्लबित करने के साथ ही सम्बन्धित के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए थे। जिसका विधिवत् आदेश कर दिया है।

जिलाधिकारी के इस निर्णय जहां से माता व पुत्र ने राहत की सांस ली है वहीं शस्त्र लाईसेंस के नाम पर असलहा का दुरूपयोग करने वालों को भी प्रशासन का सख्त संदेश है। विशेषाधिकार का प्रयोग कर डीएम ने शस्त्र लाईसेंस को निलम्बित किया साथ ही पुलिस को सम्बन्धित के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करने के भी निर्देश दिए है।

एंग्री गनमैन बात-बात में परिजनों पर बन्दूक तान देता था, जिस पर प्रशासन ने सख्त एक्शन लेते हुए लाईसेंस निलम्बित कर दिया है। जिला प्रशासन का सख्त संदेश है कि लाईसेंस का मतलब मनमर्जी की छूट नहीं; नियम कायदे न माने तो सख्त कार्यवाही तय है। सगे बेटे व पत्नी के लिए ही खतरे का सबब बन गया था शस्त्र लाईसें जिसे डीएम ने विशेषाधिकार प्रयोग कर मौके पर ही निलम्बित करने के आदेश दिए थे। साथ ही एसएसपी को सम्बन्धित के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करते हुए शस्त्र थाने में जमा करवाने के निर्देश दिए हैं।

1 घंटे की बैठक में 14 अधिकारी चट कर गए 14 किलो काजू - बादाम

❑धनबाद में चूहे गटक गए 802 बोतल स्कॉच

विशेष संवाददाता

देहरादून। देश में सरकारी कर्मचारियों के भ्रष्टाचार के कारनामों का कोई ओर छोर नहीं है। इनके द्वारा किस तरह के अजब-गजब कारनामों को अंजाम दिया जा सकता है जानकर कोई भी हैरान हो सकता है। मध्य प्रदेश से आई एक खबर के अनुसार यहां एक घंटे चली बैठक में 14 अधिकारी 14 किलो काजू और बादाम चट कर गए। वही झारखंड के धनबाद में 802 बोतल स्कॉच चूहे पी गए जिनकी भरपाई अब जिम्मेवार लोगों से करने की बात कही जा रही है। भले ही यह दोनों घटनाएं अलग-अलग प्रदेशों की हो लेकिन सरकारी अधिकारी व कर्मचारियों का हाल पूरे देश में एक जैसा ही है। बात मध्य प्रदेश की करें तो यहां शहडोल जिले की मदवाही पंचायत में बोरी बंधन कार्यक्रम में जिला कलेक्टर केदार सिंह और एसडीएम तथा जिला पंचायत अधिकारी सहित कुल 14 अधिकारी पहुंचे थे। 1 घंटे चली इस बैठक में इन अधिकारियों ने 14 किलो काजू व बादाम खा लिए। वही इसके अलावा उनके लिए 210 पीस समोसा, डेढ़ सौ रसगुल्ले व 45 किलो नमकीन भी मंगवाई गई। गांव वालों का कहना है कि उन्हें तो बस खिचड़ी ही खिलाई गई थी। ऐसे में 14 अधिकारी 14 किलो काजू-बादाम व इतने समोसे व रसगुल्ले तथा नमकीन खा गए इससे बड़ा भ्रष्टाचार का क्या नमूना हो सकता है।

उधर झारखंड के धनबाद से आई दूसरी खबर के अनुसार नए वित्त वर्ष की शुरुआत से पहले आबकारी अधिकारियों ने जब पुराने स्टॉक का मिलान किया तो उसमें 802 स्कॉच की बोतले कम पाई गई। इस पर जब ठेकेदार से पूछा गया तो उसने कहा कि सर चूहे बहुत ज्यादा हैं चूहे शराब पी गए। इन बोतलों के ढक्कनों में छेद भी पाए गए। कुछ बोतले पूरी तरह खाली मिली तो कुछ में थोड़ी बहुत शराब भी मिली। अब कहा जा रहा है कि इसकी भरपाई ठेकेदार से की जाएगी। क्या अजब-गजब देश है अपना। जहां भ्रष्टाचार के ऐसे-ऐसे कारनामे हो रहे हैं।

हाईकोर्ट के निर्देश पर डिप्टी जेलर और कांस्टेबल निलंबित

हमारे संवाददाता

नैनीताल। हाईकोर्ट ने सितारगंज जेल में पोक्सो एक्ट के आरोपी से मारपीट के मामले में डिप्टी जेलर और कांस्टेबल को निलम्बित करने के निर्देश दिये गये है। जिसके बाद उन्हे निलम्बित कर दिया गया है।

हाईकोर्ट ने डिप्टी जेलर नवीन चौहान और कांस्टेबल राम सिंह कपकोटी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए हैं। यह कार्रवाई मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र और न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ द्वारा 15 जुलाई को दिए गए आदेश के तहत की गई है।

कोर्ट ने यह आदेश सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उधम सिंह नगर की रिपोर्ट के आधार पर पारित किया। रिपोर्ट में कहा गया कि पोक्सो आरोपी सुभान से जेल में बुरी तरह मारपीट की गई, जिससे वह घायल हो गया। न्यायालय ने इस मामले को मानवाधिकार के उल्लंघन के तौर पर देखा और सख्त रुख अपनाते हुए जेल अधीक्षक को उन अधिकारियों के नाम प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए, जो डीएलएसए सचिव की कैदी से बातचीत के दौरान मौजूद थे। साथ ही अदालत ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कारागार) को आदेश का तत्काल अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा है। कोर्ट ने घटना से संबंधित रिपोर्ट और तस्वीरें न्यायिक रजिस्ट्रार के पास सुरक्षित रखने के भी निर्देश दिए हैं।

10 पेटी शराब सहित तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। बीते रोज कोतवाली उत्तरकाशी पुलिस को सूचना मिली कि पंचायत चुनाव चलते कोई तस्कर भारी मात्रा में शराब डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को तेखला बाईपास पर एक संदिग्ध कार आती हुई दिखायी दी। पुलिस ने जब उसे रोकना चाहा तो कार चालक कार छोड़कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। कार की तलाशी के दौरान उसमे रखी 10 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पूछताछ में चालक ने अपना नाम सत्यनारायण पुत्र स्व. बिक्रम सिंह रावत उम्र 38 वर्ष निवासी ग्राम किशनपुर हाल मानपुर तहसील भटवाडी जिला उत्तरकाशी बताया।

मनरेगा में अनियमितता मामले में दो ग्राम विकास अधिकारी सस्पेंड

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मनरेगा में अनियमितताओं के मामले में जांच के बाद बड़ी कार्यवाही करते हुए जिला विकास अधिकारी ने दो ग्राम विकास अधिकारियों को संस्पेंड कर दिया है।

जिला विकास अधिकारी हरिद्वार ने मनरेगा योजना के तहत अनियमितताओं के आरोप में ग्राम विकास अधिकारी रविन्द्र सैनी और प्रमोद सैनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई उनकी तत्कालीन ग्राम पंचायतों, ग्राम गढ़ और आन्नेकी, विकास खंड बहादराबाद में की गई जाँच के बाद हुई है, जिसमें वे दोषी पाए गए हैं। निलंबन अवधि के दौरान, यह दोनों ग्राम विकास अधिकारी अन्य विकास खंडों से संबद्ध रहेंगे। इस संबंध में मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि यदि भविष्य में इस प्रकार की अनियमितताओं की पुनरावृत्ति पाई जाती है, तो अन्य ग्राम विकास अधिकारियों के खिलाफ भी कड़ी विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह कदम मनरेगा योजना में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। प्रशासन भ्रष्टाचार के प्रति जीरो-टॉलरेंस की नीति पर कायम है और सभी अधिकारियों को नियमों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया गया है।

सामान्य नहीं चल रही हैं 'दून के दिल' की धड़कनें!

संवाददाता

देहरादून। दून का दिल कहे जाने वाले घंटाघर की धड़कने (घड़ियां) सामान्य नहीं चल रही है और सभी घड़ियां अलग-अलग समय दिखाकर लोगों को भ्रमित कर रही हैं।

उल्लेखनीय है कि दून के घंटाघर का निर्माण सन् 1951 में पूरा हो गया था तथा इसका उद्घाटन उत्तर प्रदेश की प्रथम राज्यपाल सरोजनी नायडू ने किया था। यह घंटाघर अपने आपमें सभी शहरों से अलग अपनी पहचान रखता है। किसी भी शहर या फिर राज्य में ऐसा घंटाघर देखने को नहीं मिल सकता जिसके छह कोने व छह ही घड़ियां हैं। अपनी इस खासियत के दम पर यह अपना एक विशेष स्थान रखता है। इसकी देखरेख का जिम्मा एमडीडीए को दिया गया है। लेकिन विभागीय अधिकारियों की अनदेखी के चलते यह अपनी पहचान के अनुरूप नहीं हो पा रहा है। वर्तमान में विभाग द्वारा इसका सौदर्यकरण किया गया लेकिन सौदर्यकरण के दौरान भी अधिकारियों का ध्यान इसकी घड़ियों की तरफ नहीं गया जो कि एक दूसरे से अलग ही समय बता रही हैं। जनपद में जो भी यात्री यहां पर आता है वह यहां के घंटाघर को देखकर मनमोहित हो

जाता है और इसके साथ सैल्फी खिचवाने के लिए बेताब हो जाता है और सैल्फी खींचकर यादगार के रूप में अपने साथ ले जाता है। यह दून शहर वासियों के भी भी गर्व की बात है कि उनका घंटाघर अपनी अलग पहचान रखता है। कई बार नौकरी के इंटरव्यू में भी यहां के निवासियों से बाहरी राज्यों में प्रश्न पूछ लिये जाते हैं कि उनके शहर का घंटाघर किस बात के लिए अपनी पहचान अलग रखता है। यह सुनकर वह काफी प्रसन्न होता है कि उसके शहर व उसके घंटाघर के बारे में उससे सवाल पूछा गया। लेकिन शासन प्रशासन में बैठे अधिकारी इसकी तरफ कोई ध्यान नहीं देते। काफी समय से इसकी घड़ियां खराब हैं लेकिन अधिकारियों को इसकी कोई परवाह नहीं है। इसके सौर्दयीकरण के नाम पर लाखों रूपये का खर्च किया जा रहा है। यह अच्छी बात है लेकिन शहर के इस दिल की धडकने सामान्य नहीं चल रही है इसकी तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहा है। यह अपने आपमें काफी सोचनीय विषय है। इसके बारे में भी अधिकारियों को अपना ध्यान केन्द्रित करना होगा। शहर की पहचान कहे जाने वाला यह घंटाघर अधिकारियों की उदासीनता के चलते एक मजाक बनकर न रह जाये!

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।